मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–003

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

सी.बी.के.जी.-003 : भारतीय एवं विश्व के विभिन्न कैलेण्डर

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—1

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×20=40

   (i) चान्द्र वर्ष और सौर वर्ष को परिभाषित करते हुए कालगणना में इनके समन्वय की आवश्यकता को स्पष्ट कोजिए।

   (ii) भारतीय पञ्चाङ्ग पर भारतीय कैलेण्डर समिति के सुझावों के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

   (iii) नवविध कालमान का वर्णन कीजिए।

खण्ड—2

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×6=30

(i) 'भारत में अनेक नववर्ष हैं।' कारण स्पष्ट कीजिए।

(ii) कालगणना पर आधारित दो पर्वों की वैज्ञानिकता का वर्णन कीजिए।

(iii) "प्रत्यक्ष अवलोकन तथा गणना पर आधारित विश्व के उपलब्ध प्राचीन कैलेण्डर हैं।" इस कथन को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(iv) प्राचीन मिस्र के कैलेण्डर का स्वरूप लिखिए।

(v) हिजरी कैलेण्डर का वर्णन कीजिए।

(vi) कैलेण्डर और पञ्चांग के अन्तर को बताइए।

(vii) वर्ष 1750 का कैलेण्डर अधिनियम क्या था ? संक्षेप में लिखिए।